

# डॉ. एलेन फिलिप्स, मीका, बेल्त्वे के बाहर पैगंबर, सत्र 5, मीका 4

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. एलेन फिलिप्स हैं और मीका की पुस्तक, बेल्त्वे के बाहर पैगंबर पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 5, मीका 4 है।

अब हम मीका अध्याय चार से शुरू कर रहे हैं।

और फिर, यह हमारा उपशीर्षक है, बेल्त्वे के बाहर पैगंबर, क्योंकि हमें यह याद रखना चाहिए कि वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र से है, भले ही वह संभवतः यरूशलेम में प्रचार कर रहा हो। यरूशलेम की बात करें तो, यह अध्याय चार में है कि हम अपनी बहुत ही महत्वपूर्ण पंक्ति रखने जा रहे हैं, टोरा सिंथोन से आगे बढ़ेगा। और हम उस दिशा में काम करने और फिर उसके बाद उसका पालन करने में कुछ समय बिताने जा रहे हैं।

यह हमें उस जगह पर ले आता है जहाँ हम जा रहे हैं। तो, बस एक छोटा सा नोट जो हम अगले एक घंटे में करने की योजना बना रहे हैं; मैं एक बहुत ही संक्षिप्त ऐतिहासिक अवलोकन के साथ थोड़ा समय बिताना चाहता हूँ। ज़्यादा नहीं, क्योंकि आप हमेशा पिछली प्रस्तुतियों पर वापस जा सकते हैं और उसे प्राप्त कर सकते हैं।

हालाँकि, चूँकि अध्याय चार में बहुत अंतर है, खास तौर पर पहले पाँच श्लोकों में जो पहले थे, हम अध्याय एक से तीन की मुख्य बातों की थोड़ी समीक्षा करने जा रहे हैं। इसके अलावा, हम अध्याय चार को इन बातों को ध्यान में रखते हुए देखने में कुछ समय बिताएँगे। सबसे पहले, हमें यरूशलेम और अध्याय चार में यरूशलेम और माउंट सिंथोन के भौगोलिक भागों के कुछ संदर्भों के बारे में सोचने में कुछ समय बिताना होगा।

और फिर क्योंकि अध्याय चार में कुछ शब्दावली का परिचय दिया गया है जिसका समय-सीमाओं से संबंध है, हम उस पर भी कुछ समय बिताने जा रहे हैं, जो अंतिम दिनों में इस अगली चीज़ से संबंधित है और लेकिन अभी के विपरीत है। इसलिए, हम पुनर्स्थापना की भविष्यवाणियों, विनाश और फिर से आशापूर्ण पुनर्स्थापना के संदर्भ में आगे-पीछे काम करेंगे। तो यही होता है।

हम अंत में कुछ संक्षिप्त सबक लेंगे जो हमें 21वीं सदी में अपनी स्थिति, खास तौर पर पश्चिमी चर्च के संदर्भ में सीखने को मिलेंगे। जैसा कि मैंने कहा, एक संक्षिप्त ऐतिहासिक अवलोकन, और इस बार हम एक चार्ट का उपयोग करने जा रहे हैं जो बहुत मददगार है, जिसे जिम मॉनसन के रीजन्स ऑन द रन से लिया गया है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संपूर्ण चार्ट का एक अंश है।

निःसंदेह, हम यह देखना चाहते हैं कि मीका कहाँ स्थित है, साथ ही 8वीं सदी के अन्य भविष्यवक्ताओं के साथ, जिनसे हमें हमारे परिचयात्मक व्याख्यानों में संक्षेप में परिचित कराया

गया था। तो, विशेष रूप से मीका और यशायाह, आप यह देखना चाहेंगे कि वे वहाँ एक साथ हैं। उनसे कुछ हद तक योना, अमोस और होशे पहले आ चुके हैं।

हम पहले ही प्रमुख राजाओं उज्जियाह, योताम, आहाज और फिर हिजकिय्याह का उल्लेख कर चुके हैं। वे पृष्ठभूमि को व्यवस्थित करने के लिए ही महत्वपूर्ण होंगे। जब हम अध्याय 6 पर भी चर्चा करेंगे तो हम एक बार फिर इस चार्ट पर लौटेंगे।

तो, सबसे पहले, उस ऐतिहासिक अवलोकन के बाद, बस कुछ नोट्स। जैसा कि मैंने कहा, हमें अध्याय 1, 2 और 3 की समीक्षा करने की आवश्यकता है। तो यहाँ समीक्षा में मुख्य अंश हैं, फिर से, क्योंकि वे अध्याय 4 की शुरुआत में जो हम देखते हैं उसके विपरीत हैं। इसलिए, जब पेरी ने अध्याय 1 पर चर्चा की, तो यह सामरिया और यरूशलेम दोनों के अपराधों पर केंद्रित था, शेफेला के शहरों पर विलाप करता था क्योंकि उन्हें गंभीर हमलों से निपटना पड़ा था। हम इसे बहुवचन में रखेंगे।

और फिर किसी तरह इस बिंदु पर यरूशलेम के द्वार महत्वपूर्ण हैं। अध्याय 2, भयानक अन्याय। परमेश्वर की प्रतिक्रियाएँ, जो माप के लिए माप थीं।

हम अध्याय 3 में इनमें से कुछ चीज़ों को और भी ज़्यादा क्रूरता और गंभीरता के साथ वापस आते हुए देखते हैं। अध्याय 2 के मध्य में, हमें कुछ टूटी-फूटी भाषाएँ मिलती हैं जो युद्ध के संदर्भ से लौटने वालों को संदर्भित या संकेत कर सकती हैं। हमने यह भी देखा। और फिर, अध्याय 2 के अंत में, अचानक बदलाव के रूप में, हमारे पास चरवाहे और राजा का भगवान है।

अध्याय 3, वही सब, हिंसक और दुष्ट नेता। उस समय नेतृत्व की पूरी स्थिति खराब थी। और जैसा कि पेरी ने कहा, वे सभी इससे जितना संभव हो सके उतना पैसा कमाने में व्यस्त हैं।

झूठे भविष्यवक्ता, भविष्यवक्ता, द्रष्टा, और वे इसके बदले में शांति का वादा करते हैं कि उन्हें इसके लिए क्या भुगतान करना पड़ सकता है। इसके विपरीत, अध्याय 3 के श्लोक 8 में, मीका को बुलाया गया है, और वह उन लोगों के खिलाफ भविष्यवाणी करने के लिए आत्मा से शक्ति से भर गया है जिन्होंने विशेष रूप से रक्तपात के साथ सिष्योन का निर्माण किया है। यह एक ऐसा विषय है जो शायद हमारे पास वापस आ सकता है, खासकर जब हम अध्याय 6 में आगे बढ़ते हैं। हालांकि, इस बीच, अध्याय 3 प्रभु के घर के विनाश की भविष्यवाणी के साथ बंद हो जाता है, जिसे निश्चित रूप से लगभग देशद्रोह के रूप में देखा जाता है। जैसा कि संभवतः हो सकता है।

यह गंभीर मामला है। और जब यिर्मयाह ने लगभग सौ साल बाद इसका संदर्भ देने की हिम्मत की या मीका का संदर्भ नहीं दिया, लेकिन उसने वही बात कही, तो उसके दिनों के बुजुर्ग लोगों को इस तथ्य के बारे में याद दिलाते थे कि मीका ने पहले ही उस गंभीर मामले की भविष्यवाणी कर दी थी। उन बातों को ध्यान में रखते हुए, हम अध्याय 3 के अंत में जो कुछ भी है, उसके बीच के संबंध को देखना चाहते हैं, जो कि, वैसे, 12 भविष्यवक्ताओं की पूरी पुस्तक के मध्य बिंदु के बारे में है।

तो, इसमें भी कुछ दिलचस्प बात है। लेकिन अध्याय 3, श्लोक 12, यरूशलेम के इस पूर्ण विनाश के बारे में बात करता है। और अध्याय 4 एक उल्लेखनीय बदलाव, वादे और पुनर्स्थापना के वादे के साथ शुरू होता है।

इसलिए, मैं बस एक पल के लिए कुछ विरोधाभासों पर नज़र डालना चाहता हूँ जो हमने पहले ही देखे हैं, खास तौर पर अध्याय 2 और 3 में, और फिर अध्याय 4 में एक ज़्यादा उम्मीद भरी नज़र से तुलना की है। तो, पिछले अध्यायों में, अगर कुछ भी था, तो तस्वीर किसी भी तरह की पवित्रता की अनुपस्थिति थी। इसके बजाय, वे सभी तरह की चीज़ों से पवित्रस्थान को अपवित्र कर रहे थे। अध्याय 4 हमें परमेश्वर की उपस्थिति और परमेश्वर के पवित्र पर्वत पर परमेश्वर के घर से शुरू करता है।

इसके अलावा, अध्याय 3 लोगों के दुष्ट मुखियाओं के बारे में बात करता है। अध्याय 4 की शुरुआत इस बात से होती है कि यह पहाड़ों का मुखिया होगा। एक ही शब्द का इस्तेमाल किया जाना स्पष्ट रूप से एक विरोधाभास है।

अध्याय 3 में, रक्तपात ने सिथ्योन का निर्माण किया था। लेकिन अब जब हम अध्याय 4 में थोड़ा आगे बढ़ते हैं, तो हमें सिथ्योन से टोरा निकलता हुआ दिखाई देता है। तो फिर, यह एक अविश्वसनीय रूप से अद्भुत विरोधाभास है।

अध्याय 1 में और फिर शायद अध्याय 2 में भी, शरणार्थी संभवतः यरूशलेम आ रहे हैं। लेकिन जब तक हमारे पास अध्याय 4 आता है, तब तक हमारे पास तीर्थयात्री राष्ट्र हैं जो फिर से यरूशलेम आ रहे हैं। इसमें शामिल होने वाले लोगों के प्रकार के संदर्भ में संदर्भ काफी अलग है।

भविष्यवक्ता झूठा प्रचार कर रहे थे, कि अगर उन्हें पर्याप्त वेतन मिले तो शांति होगी। लेकिन अध्याय 4 में, हम देखते हैं कि वास्तविक शांति का वादा आने वाला है। और फिर अंत में, पुजारी जिन्हें पढ़ाने के लिए पैसे दिए जा रहे थे और पढ़ाने और निर्देश देने का उल्लेख उद्धरण चिह्नों में है क्योंकि यह सच्ची शिक्षा नहीं थी।

लेकिन हमारे पास प्रभु का निर्देश है, टोरा फिर से, सिथ्योन से आगे बढ़ रहा है। और हम शीघ्र ही अधिक सकारात्मक कॉलम में उन सभी चीज़ों पर वापस लौटेंगे जो उस दाहिने हाथ में हैं। हालाँकि, ऐसा करने से पहले, हमें कुछ महत्वपूर्ण स्थानों का थोड़ा सा अवलोकन करने की आवश्यकता है क्योंकि उनका उल्लेख किया जाएगा, विशेष रूप से छंद 6 से 8 के एक छोटे से खंड में। इसलिए यहां हम एक तस्वीर के साथ आते हैं, एक हवाई तस्वीर।

और आपमें से जो लोग यरूशलेम में रहे हैं, आप समझ सकते हैं कि यह तस्वीर कितनी पुरानी है क्योंकि उन सभी पहाड़ियों पर घर और संरचनाएं हैं जहां वे अभी बहुत कम बिखरे हुए हैं, या बिल्कुल नहीं हैं। लेकिन हम इस तस्वीर में क्या है इसके विपरीत इस पर बात करने में काफी समय बिता सकते हैं कि क्या नहीं है। लेकिन अपने उद्देश्यों के लिए, हम बस निम्नलिखित पर ध्यान देना चाहते हैं।

दीर्घवृत्त में, हमारे पास डेविड का शहर है, जो एक पहाड़ी की छोटी सी चोटी है, शायद पहाड़ भी नहीं, जिसे डेविड ने जीत लिया। यह छोटा है, शायद यह लगभग 11 एकड़ का है। इसमें पानी का स्रोत था, यही वजह है कि यह सहस्राब्दियों तक महत्वपूर्ण रहा।

उसके उत्तर में, यहाँ एक तीर है जो उस क्षेत्र की ओर इशारा करता है जहाँ अंततः मंदिर बनाया जाएगा। अरौना का खलिहान वहाँ था, और दाऊद वहाँ बलिदान चढ़ाता था।

यह वह बात है जिस पर मैं इस व्याख्यान में थोड़ी देर बाद फिर से बात करूँगा। लेकिन यह सुलैमान ही होगा जो वहाँ मंदिर बनाएगा। सुलैमान का मंदिर तब प्रभु के भवन के पहाड़ पर था।

और फिर इसे याकूब के परमेश्वर का घर, मंदिर स्थान भी कहा जाता है। अब, वह दाऊद के नगर से भी अधिक ऊँचाई पर है। लेकिन यदि आप उस सामान्य क्षेत्र में खड़े हों और सभी दिशाओं में देखें, तो आप देखेंगे कि उसके चारों ओर की पहाड़ियाँ और भी ऊँची हैं।

राक्षसी रूप से उच्चतर नहीं, बल्कि उच्चतर। और यह भी, हम जिस प्रकार की बातें कहने जा रहे हैं, उसमें थोड़ा-बहुत शामिल होगा। हमारा सामना ओपेल नामक शब्द से भी होगा।

और मेरे पास इसे यहां प्रस्तुत करने का एक बहुत ही योजनाबद्ध तरीका है। इसका उल्लेख बाइबिल के कई अनुच्छेदों में किया गया है। मैं उन पर वापस आने जा रहा हूँ।

लेकिन कुल मिलाकर, यह वह क्षेत्र है जो मंदिर पर्वत के ठीक दक्षिण में है, या मंदिर पर्वत है, और मंदिर मंच और इसी तरह की अन्य चीजें रही होंगी। और डेविड के शहर के उत्तरी छोर पर, फिर से, हम उस पर वापस आने वाले हैं जब हम वास्तव में पाठ में आते हैं। लेकिन इसे खोजने की कोशिश करने के हमारे उद्देश्य के लिए, यह यहाँ है।

और फिर, जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, इस क्षेत्र के आस-पास की पहाड़ियाँ सभी ऊँची होंगी। इससे हमें बहुत सी सैर-सपाटे की ओर ले जाया जा सकता है, लेकिन हम अभी वहाँ नहीं जा रहे हैं। बस अध्याय 4 के संदर्भ में इसे पकड़ें, जहाँ यह बात की गई है कि प्रभु के घर का पर्वत कैसे ऊपर उठाया जाएगा।

ओफेल और अन्य बातों के बारे में विशेष रूप से कुछ अन्य बातें हमें ध्यान में रखनी चाहिए। श्लोक 8 मिगदल एडर का उल्लेख करने जा रहा है। मिगदल शब्द का अर्थ मीनार है, और एडर को संभवतः झुंड के रूप में समझा जाना चाहिए।

एक समय था जब विद्वान मिगदल एडर नामक एक वास्तविक स्थान का पता लगाने की कोशिश करते थे, लेकिन यह शायद सच नहीं है। यह सामान्य रूप से यरूशलेम के स्थान की सुरक्षा को संदर्भित करने का एक और तरीका हो सकता है। ओफेल, आप जो अनुवाद पढ़ते हैं, उसके आधार पर, इसे गढ़ कह सकते हैं।

और यह शास्त्र में इस तरह से आता है क्योंकि आपके पास कई अंश हैं जो इसे किलाबंद के रूप में दर्शाते हैं। नेहेमिया शायद हमारा सबसे दिलचस्प है क्योंकि यह नेहेमिया के दिनों में शहर के

चारों ओर के लोगों के बारे में बात करता है जो निर्माण में व्यस्त थे। यह पता चला है कि उस क्षेत्र में रहने वाले लोग संभावित हमलों के खिलाफ ओफेल को भी मजबूत कर रहे थे।

नहेमायाह अध्याय 11, श्लोक 21 हमें यह भी बताता है कि मंदिर के सेवक वहाँ रहते थे। और इसलिए, यह समझ में आता है कि वे मंदिर क्षेत्र के निकट ही रहते होंगे। ओफेल शब्द हिब्रू मूल से आया है, जिसका अर्थ है उभार।

यह अपने आप में एक बहुत ही दिलचस्प संदर्भ है। और इसलिए, ऐसे लोग हैं जो सुझाव देते हैं कि यह वास्तव में डेविड शहर के उत्तरी छोर पर एक भौगोलिक, स्थलाकृतिक विशेषता का जिक्र कर रहा है, जो वहाँ टेंपल माउंट के ठीक दक्षिण में थोड़ा सा उभरा हुआ है। पुनः, यदि यह डेविड शहर और भूगोल तथा उन सभी प्रकार की चीज़ों पर एक व्याख्यान होता, तो हम शायद उस पर थोड़ा अधिक समय बिताते।

हालाँकि, ऐसा कहने के बाद, यरूशलेम और उसके बाद, विशेष रूप से, अब, सिय्योन की बेटी के संबंध में और भी कुछ कहा जाना बाकी है; सिय्योन की बेटी और यरूशलेम की बेटी, दोनों शब्दों का उपयोग किया जाता है। अब, कभी-कभी बहुवचन में बेटियाँ, जब इसका उपयोग हिब्रू बाइबिल में किया जाता है, तो एक बड़े क्षेत्र के आसपास के गांवों और छोटी बस्तियों को संदर्भित करता है। लेकिन इस मामले में, यह एक बहुत ही विशिष्ट मानवीकरण प्रतीत होता है, विशेष रूप से अपने चुने हुए शहर, सिय्योन, यरूशलेम के साथ प्रभु के संबंध के संबंध में।

ऐसे संदर्भ हैं जो एक कोमल, कमजोर रिश्ते का संकेत देते हैं। अगली स्लाइड में, मैं हमें उनमें से कुछ के बारे में बताऊंगा, दोनों इस संदर्भ में कि भगवान की सजा से उसके साथ क्या हो सकता है, भले ही वह उससे बहुत प्यार करता है और वह उसके लिए बहुत खुशी की बात है। एक सज़ा आने वाली है, और ईश्वर उस पर दुःखी होगा।

लेकिन फिर भी, एक संदर्भ, एक से अधिक, लेकिन जिसे हम यशायाह में देखने जा रहे हैं, वह पुनर्स्थापना के वादों के बारे में भी बात करेगा। और फिर मेरे पास एक छोटी सी बात है कि जब तक हम अध्याय चार के अंत तक पहुंचेंगे, यरूशलेम की यह कोमल, नाजुक बेटी हमें थोड़ा आश्चर्यचकित कर सकती है। तो हम उस पर भी कायम रहेंगे।

मैं कुछ क्षण पहले जो कुछ कह रहा था उसका थोड़ा सा खुलासा करने के लिए यहां कुछ अंश रखना चाहता हूँ। यिर्मयाह। निःसंदेह, यह मीका के समय के लगभग एक शताब्दी बाद की बात है, और यिर्मयाह के समय तक चीज़ें विनाशकारी स्थिति में थीं।

और इसलिए, अध्याय छह में, यह योशियाह के शासनकाल के दौरान है कि यिर्मयाह के ये प्रारंभिक वचन कहे गए हैं: सुरक्षा के लिए भाग जाओ, यरूशलेम से भाग जाओ, क्योंकि उत्तर से आपदा मंडरा रही है। पेरी ने दूसरे दिन उत्तर से आने वाले खतरे और उत्तर से हमले में आने वाली चीज़ों, यहां तक कि भयानक विनाश के बारे में बात की। यहोवा कहता है, मैं सिय्योन की बेटी को नष्ट कर दूंगा।

बहुत सुंदर और इतना नाजुक. तो, आप वहां एक कोमलता को आते हुए देखते हैं, यहां तक कि उस न्याय के बावजूद भी जो उन पर प्रभाव डालने वाला है। 2 राजाओं 19 में, एक बिल्कुल अलग संदर्भ है क्योंकि हमारे पास एक दैवज्ञ का वर्णन है जिसने सन्हेरीब के खिलाफ बात की है क्योंकि वह सिय्योन, यरूशलेम और हिजकिय्याह की निंदा कर रहा है।

तो, उद्धरण, सिय्योन की कुंवारी बेटी तुम्हें तुच्छ समझती है, सन्हेरीब, और तुम्हारा मज़ाक उड़ाती है। यरूशलेम की बेटी तुम्हारे भागते समय अपना सिर हिलाती है, जिसका संभवतः कुछ ऐतिहासिक संदर्भों से संबंध है, जिसके बारे में हम कम से कम मीका के कुछ हिस्सों की पृष्ठभूमि के रूप में बात कर रहे हैं। और फिर आगे की ओर देखते हुए एक और वादा।

यशायाह 62, श्लोक 11, सिय्योन की बेटी से कहता है, देखो, तुम्हारा उद्धारकर्ता आ रहा है। देखो, उसका इनाम उसके साथ है, और उसका बदला उसके साथ है। तो, आशा और विनाश है, लेकिन इसके माध्यम से, वह मानवीकरण है जो सिय्योन की इस प्यारी बेटी के प्रभु के साथ रिश्ते को दर्शाता है।

तो ये कुछ भौगोलिक और फिर निश्चित रूप से, पाठ्य संबंधी विचार हैं जो इसके साथ चलते हैं। बस कुछ चीजों के बारे में एक त्वरित नोट जो समय सीमा को इंगित करने के तरीकों से संबंधित है। इस संबंध में मीका बहुत दिलचस्प है।

और ऐसे कई शब्द हैं जिन्हें हम एक साथ रखना चाहेंगे और जैसे-जैसे हम इस पर आगे बढ़ेंगे, उन्हें खोलना चाहेंगे। मैं ब्रूस वाल्टके की मीका पर की गई शानदार टिप्पणी का आभारी हूँ, जिसमें उन्होंने इस बात को समझाया है कि इस सामग्री को कैसे समझा जाए। तो चलिए शुरू करते हैं।

अध्याय 4, श्लोक 1. हम अंतिम दिनों में या बाद के दिनों में अभिव्यक्ति का उपयोग करेंगे। यह सोचना एक प्रलोभन रहा है कि यह युगांत संबंधी विचारों का उल्लेख कर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं हो सकता है। कई लोगों के सोचने के तरीकों में इसे अंतिम समय में स्थित होने का एक कारण यह है कि सेप्टुआजेंट ने इसे एस्कैटन के साथ अनुवाद किया है और फिर वह संबंध बस बन गया है।

यह शायद सच न हो। और इसलिए, मैं आपको शायद इसका एक अधिक सूक्ष्म विवरण दे रहा हूँ, जैसा कि वाल्टके बताते हैं। यह एक कल्पित भविष्य को संदर्भित करता है।

वक्ता के समय से दूर एक कल्पित भविष्य, निश्चित रूप से, और निश्चित रूप से वर्तमान परिस्थितियों को बदलने के लिए ईश्वर के हस्तक्षेप की आवश्यकता है। हालाँकि, पीछे मुड़कर देखने पर, हमारे दृष्टिकोण से, ऐसा लगता है कि इसमें निर्वासन से लेकर नए स्वर्ग और नई पृथ्वी तक की बहाली शामिल है, न कि केवल नए स्वर्ग और नई पृथ्वी के समय की बहाली। इसलिए जो भी बहाली होगी, वह बहुत लंबी समयावधि में होगी।

दूसरा कालानुक्रमिक संकेतक जिस पर हम थोड़ा समय बिताना चाहते हैं, वह वाक्यांश है जिसका अक्सर भविष्य और उससे परे अनुवाद किया जाता है। दूसरे शब्दों में, हमेशा और

हमेशा के लिए। और हिब्रू शब्द जो इसका हिस्सा है वह है ले'ओलम , जो एक व्यापक, व्यापक शब्द है।

ओलम एक व्यापक शब्द है. इसमें कालानुक्रमिक और स्थानिक दोनों विचार हो सकते हैं। लेकिन वाल्टके का सुझाव है कि हम दूर के भविष्य में और उससे भी आगे, या अब से उस लेओलम दूर के भविष्य में अनुवाद करें।

और दोनों ही एक बहुत ही आदर्श भविष्य की ओर इशारा कर रहे हैं। अब, उसके भीतर, और निश्चित रूप से, हमारे पास अब दो शब्द हैं जो आगे की ओर इशारा कर रहे हैं। एक को निर्वासन से लेकर उससे आगे तक की समय-सीमा दिखाई देती है, और दूसरा एक आदर्श भविष्य है।

उसके भीतर, हमारे पास उस दिन का एक और अस्थायी संकेतक है। वॉल्टके का सुझाव है कि यह संभवतः उन अंतिम दिनों के भविष्य के गौरव और एक बहुत ही गंभीर वर्तमान के बीच एक मध्यस्थ कड़ी है। इसके विपरीत, वहां लगातार ढोल बज रहा है, लेकिन अभी, लेकिन अभी, लेकिन अभी।

और मैंने आपको छंद दिए हैं, और जब हम इसके माध्यम से अपना काम करेंगे तो हम उन्हें फिर से देखेंगे। हम मौजूदा वास्तविकताओं के संदर्भ में परंतु- अभी के साथ बात कर रहे हैं। जो चीजें लेखक और श्रोता या श्रोता के दृष्टिकोण के करीब हैं उनमें कष्ट और मुक्ति दोनों शामिल होंगे।

अधिकांश परंतु- अब आने वाले कठिन समय की ओर इशारा कर रहे हैं। ठीक है, तो यह कुछ भौगोलिक पृष्ठभूमि है। यह एक प्रकार का अस्थायी अभिविन्यास है।

हमें मीका अध्याय चार के इस खंड के बारे में बस एक और बात कहने की ज़रूरत है, क्योंकि यह यशायाह अध्याय दो में समानांतर है। इसमें समान कल्पना, समान वाक्यांशविज्ञान और छवियों का समान क्रम है, लेकिन कुछ अंतर भी हैं। इसलिए, मैंने इन दोनों पाठों की नकल नहीं की है, लेकिन मैंने ध्यान दिया है कि कुछ चीजें हैं जिन पर हम ध्यान देना चाहते हैं।

फिर, मुझे बस यह याद आ रहा है कि मीका और यशायाह समकालीन हैं। तो, वे शायद इस बहुत ही परिचित, बहुत ही आश्चर्यजनक, बहुत ही आश्चर्यजनक आशाजनक भविष्यवाणी को साझा करेंगे। मीका में, जैसा कि हमने अभी देखा है, अध्याय चार से ठीक पहले, श्लोक एक, हमारे पास प्रभु के घर का पूरा पहाड़ नष्ट होने वाला है।

यह यरूशलेम के विनाश के बारे में एक भयानक चेतावनी है। दिलचस्प बात यह है कि यशायाह में अध्याय दो से ठीक पहले अध्याय एक, अतीत की मूर्तिपूजा पर सिय्योन की शर्मिंदगी के साथ समाप्त होता है। मैं किसी विनाश की बात नहीं कर रहा हूँ, लेकिन फिर भी इसके बारे में एक तरह का नकारात्मक माहौल है।

और फिर वे लगभग उसी तरह आगे बढ़ते हैं, लेकिन मीका में, वादे होने के बाद हम उसके पास वापस आते हैं, जिस पर हम राष्ट्र के आने और टोरा सीखने और फिर सिय्योन से टोरा के साथ बाहर जाने के बारे में संक्षेप में देखने जा रहे हैं। मीका में पद चार में एक वादा है, जो सुरक्षा के

बारे में बात करता है। हर कोई अपनी बेल और अंजीर के पेड़ के नीचे रहने जा रहा है क्योंकि प्रभु परमेश्वर ने कहा है।

यह यशायाह में नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि तलवारों और भालों को काटने के काँटों और कुदालों या जो कुछ भी वे हैं, में बदल दिए जाने के बाद, यशायाह बस इतना कहकर समाप्त करता है, आइए हम प्रभु के प्रकाश में चलें। जबकि मीका में पाँचवाँ श्लोक इसे विस्तृत करता है और कहता है, राष्ट्र अपने देवताओं के अनुसार चलते रहेंगे, लेकिन हम, हम प्रभु के नाम पर चलने जा रहे हैं।

उसके बाद, मीका उन बातों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिन्हें हम सिष्योन की बेटी के बारे में देखने जा रहे हैं। जबकि यशायाह मूर्तिपूजा की निंदा करने के लिए वापस जाएगा, जो यहाँ चल रही चुनौती है।

खैर, यह सब कहने के बाद, यह केवल परिचय के तौर पर है, आइए पाठ पर एक नज़र डालें और पाठ के माध्यम से अपना काम करें।

पहले और दूसरे श्लोक से शुरू करते हुए, मैं उन्हें पहले पढ़ूँगा और फिर कुछ समय निकालकर उन चीजों को समझूँगा जो हमारे लिए सबसे दिलचस्प हो सकती हैं, क्योंकि हम इसे एक साथ जोड़ने की कोशिश करते हैं। यह जितना जाना-पहचाना है, कुछ चीजें हैं जिन पर हम शायद ध्यान देना चाहें। यह शुरू होता है, और अंतिम दिनों में, और अब हम जानते हैं कि यह एक व्यापक पदनाम है।

प्रभु के घर का पहाड़ पहाड़ों के शीर्ष पर या पहाड़ों के शीर्ष पर स्थापित किया जाएगा और यहाँ फिर से सिर, इसके विपरीत, रोश हिब्रू शब्द है, पिछले अध्याय में प्रमुखों के साथ जो मानव नेता रहे हैं जो बहुत भयानक हैं। इसे पहाड़ियों से ऊपर उठाया जाएगा, जो कम से कम दो चीजों में से एक का संकेत देगा, शायद अधिक। एक यह हो सकता है कि प्रतीकात्मक रूप से, यह अब वरीयता लेने जा रहा है।

इसे वह सम्मान मिलने जा रहा है जो इसे काफी समय से नहीं मिला था, खास तौर पर उस विनाश के बाद जिसका उल्लेख किया गया है। लेकिन अगर हम जकर्याह को पढ़ें, तो शायद किसी समय कुछ भूकंपीय उथल-पुथल भी होने जा रही है, और शायद वह पहाड़ी ऊपर उठ जाए, यह एक संभावना है। किसी भी हालत में, लोग इसकी ओर बढ़ेंगे, और पद दो, कई राष्ट्र आएंगे, और वे कहेंगे, आओ, हम यहोवा के पर्वत पर चढ़ें, याकूब के परमेश्वर के भवन में।

समानता है, और वह हमें अपने तरीकों से सिखा सकता है ताकि हम उसके मार्ग पर चल सकें। मैं जल्द ही उन बातों के निहितार्थों पर वापस आऊँगा। चौथा, सिष्योन से, टोरा आगे बढ़ेगा, और यरूशलेम से प्रभु का वचन।

जैसा कि आप देख सकते हैं, विशेष रूप से दूसरे श्लोक में, समानताओं के ऐसे समूह हैं जो मुद्दों के मजबूत पुनर्कथन में इस बात को स्पष्ट कर रहे हैं। तो, आइए देखें कि क्या हो रहा है। प्रतीकात्मक स्थान को पुनः स्थापित किया जा रहा है।

यहाँ पर यही बात है। अब, इसे उन सभी कामों को करने के लिए बहाल किया जा रहा है जो वहाँ महत्वपूर्ण माने जाते थे। प्रभु के घर का पर्वत, अन्य सभी से ऊपर उठाया गया, जिस भी तरह से हम कल्पना कर सकते हैं कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है।

बस एक याद दिला दूँ, यह उससे बिलकुल अलग है जो हमने पहले देखा है। तब इसे ध्वस्त कर दिया गया था, ध्वस्त कर दिया गया था। अब, इसे उठाया और ऊँचा किया जाएगा।

बस एक तरह का संबंध। जाहिर है, यह हमारे पास जो कुछ है उससे बहुत अलग परिस्थितियों की ओर इशारा करता है। हम, किसी अर्थ में, पूरी धरती पर प्रभु का शासन करने जा रहे हैं।

कब? खैर, यह चरणों में आ सकता है। यशायाह 25 में जो राज्य दृश्य है, और मैं उसे पूरा नहीं पढ़ूँगा, लेकिन हमारे पास सेनाओं का प्रभु, अदोनाई त्ज़ेवाओत है, जो इस पर्वत पर भोज का आयोजन करेगा और इस पर्वत पर सभी लोगों के लिए मृत्यु को समाप्त करेगा। और फिर दानियेल भी।

पत्थर एक बड़ा पहाड़ बन जाता है। इसलिए, पहाड़ की छवि और पहाड़ का प्रतीक एक ऐसी जगह के रूप में बहुत महत्वपूर्ण है जहाँ भगवान की पवित्र उपस्थिति होगी और जहाँ वह सामंजस्य स्थापित करेगा, भोज यह दर्शाता है। स्थान के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण है।

लेकिन हमें कुछ और बातें भी कहनी हैं। लोग ऊपर जा रहे हैं। वे स्टीमिंग कर रहे हैं।

वैसे, यह एक दिलचस्प बात है, क्योंकि जब आप स्टीमिंग के बारे में सोचते हैं, तो आम तौर पर आप नीचे जाने के बारे में सोचते हैं। लेकिन अब लोग स्टीमिंग कर रहे हैं, और स्टीमिंग का तात्पर्य काफी बड़ी मात्रा में है। जब आप घाटियों से पानी के प्रवाह के बारे में सोचते हैं तो यह महत्वपूर्ण है।

अब, वे ईश्वर की उपस्थिति और ईश्वर के तरीकों को सीखने के अपने इरादे की ओर बढ़ रहे हैं। और मुझे इसे थोड़ा सा खोलने दीजिए क्योंकि अगर हम सावधान नहीं रहेंगे तो हम इसे बहुत जल्दी पढ़ सकते हैं। तरीके एक बहुत ही सामान्य शब्द है।

रास्ते और पथ, जो इस श्लोक में थोड़ी देर बाद दिखाई देते हैं, परस्पर उपयोग किए जाते हैं। लेकिन तरीकों के बहुत व्यापक अर्थ हैं। और मूल रूप से, चूँकि वे परमेश्वर के तरीकों को सीख रहे हैं, इसमें यह सीखना भी शामिल होगा कि उसने अपने अनुबंधित लोगों की ओर से इतिहास में कैसे कार्य किया है।

यह उसके तरीकों का हिस्सा है। वह टोरा है। वे सभी बाइबल की पहली पाँच पुस्तकों के कथात्मक भाग हैं।

वे इसे सीखने जा रहे हैं। लेकिन फिर उनका इरादा न केवल इतिहास में भगवान के कृत्यों के उन पाठों पर है, बल्कि उनकी विधियों, उनके उपदेशों और उनकी आवश्यकताओं पर भी है। यह सब भगवान के तरीकों को सीखने का हिस्सा है।

इसलिए, जब हम इस तरह का काम करने में अपनी भूमिका के बारे में थोड़ा आगे सोचेंगे तो हम उस पर भी वापस आएं। एक बार, ठीक है, मुझे इसे इस तरह से नहीं रखना चाहिए क्योंकि मैं ऐसा कह रहा हूँ कि उन्हें ये सभी तरीके अपने दिमाग में डालने होंगे, और फिर उन्हें बाहर भेज दिया जाएगा। लेकिन मुद्दा यह है कि, जो लोग भगवान की उपस्थिति में आ गए हैं, वे भगवान के तरीकों को सीखने में व्यस्त हैं, वे खुद को उचित रूप से आचरण भी करते हैं।

वे उसके रास्ते पर चलने वाले हैं। चलने का यही अर्थ है: स्वयं का संचालन करना। वे उसके रास्ते पर चलेंगे।

और फिर यहाँ मज़ेदार हिस्सा है। इस तरह टोरा सियोन से आगे बढ़ने वाला है। ऐसा नहीं है कि आप वहाँ एक तरह का अमूर्त शब्द शूट करने जा रहे हैं।

अब, जैसा कि माइक और यशायाह ने यहाँ प्रस्तुत किया है, यह मूर्त रूप लेने जा रहा है। ये ऐसी बातें होंगी जो सत्य हैं। इन्हें परमेश्वर के लोगों द्वारा सीखा जाएगा जो उसकी उपस्थिति में आने और सीखने के लिए लगातार आगे आ रहे हैं।

और अब वे आगे बढ़ने जा रहे हैं। और वे ही उसके उद्देश्यों को पूरा करने जा रहे हैं क्योंकि वे परमेश्वर के तरीकों और उसके वचन के अनुसार आचरण कर रहे हैं। इसलिए, मैंने अभी इस पर एक संभावित नए नियम के परिप्रेक्ष्य को नोट किया है।

पॉल ने 2 कुरिन्थियों 3 में हमारे जीवित पत्र होने का उल्लेख किया है। और कुछ मायनों में, यह मीका, प्रथम नियम के समकक्ष की तरह है। और हमारे पास अन्य संदर्भ भी हैं।

यशायाह 51, मैं यहाँ आपके लिए नोट करता हूँ, व्यवस्था आगे बढ़ेगी। व्यवस्था सियोन से आगे बढ़ेगी। और इसका एक उद्देश्यपूर्ण उद्देश्य है।

यह न्याय, धार्मिकता और उद्धार लाएगा। खैर, यह वादे के इस अद्भुत भविष्यवाणियों की बस शुरुआत है। आइए श्लोक 3 और 4 पर चलते हैं। पढ़ना जारी रखते हुए, और वह, यह प्रभु है, कई लोगों के बीच न्याय करेगा, और वह शक्तिशाली राष्ट्रों के लिए विवादों का निपटारा करेगा।

जब हम अपने अंतर्राष्ट्रीय और वैश्विक संकटों के बारे में सोचते हैं तो हमें रुकना चाहिए। और प्रभु उन्हें निपटाने में सक्षम है, और एक समय आएगा जब वह ऐसा करेगा। शक्तिशाली राष्ट्रों के विवादों को दूर से सुलझाएँ।

वे अपनी तलवारें पीटेंगे। उस समय युद्ध के लिए यही हथियार था, काटने के औजारों में। मुझे एहसास है कि नली अक्सर होती है, लेकिन काटने के औजार और उनके भालों को छोटे-छोटे तनों को काटने के लिए चाकू में बदल दिया जाता है।

राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के विरुद्ध तलवार नहीं उठाएंगे और वे अब युद्ध नहीं सीखेंगे। अविश्वसनीय वादा। आइए श्लोक 4 भी करें।

हर एक मनुष्य अपनी अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष तले बैठा रहेगा, और कोई भय न फैलाएगा, क्योंकि सेनाओं के यहोवा के मुख से यही वाणी निकली है।

ठीक है, मैंने कुछ बातें बताई हैं जो मैं पहले ही इस बारे में बताना चाहता था। लेकिन सबसे बढ़कर, हम एक ऐसे क्रांतिकारी परिवर्तन से निपट रहे हैं जो पूरे बोर्ड में आ रहा है क्योंकि यह, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक स्थितियों को प्रभावित करने वाला है। और यह लोगों को भी बदलने वाला है।

आइए देखें कि यह कैसे काम करता है। भगवान अंतर्राष्ट्रीय विवादों को निपटाने के लिए भी न्याय करने जा रहे हैं, जो कि तब उल्लेखनीय है जब हम इसके बारे में सोचते हैं और इसके लिए आशा करते हैं और इसके लिए प्रार्थना करते हैं। यह, फिर से, सभी छोटी रिश्तखोरी और अन्याय और अन्य सभी चीजों के विपरीत है जिनका हमने पहले उल्लेख किया था, विशेष रूप से पेरी ने अध्याय 3 में उल्लेख किया था। हालाँकि, इस क्रांतिकारी परिवर्तन में अगला कदम यह है।

क्योंकि भगवान इन विवादों का निपटारा करेंगे, उन्हें सुलझाया जाएगा, और उनसे निपटा जाएगा। युद्ध समाप्त हो जाएंगे। युद्ध और युद्ध के लिए कोई कारण नहीं होगा और युद्ध के कारण बनने वाली सभी चीजें खत्म हो जाएंगी।

क्योंकि यह सच है, तो वे पूरे शस्त्रागार को फिर से तैयार करेंगे। फिर से, पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व में, उस शस्त्रागार में तलवारें और भाले और इस तरह की चीजें शामिल थीं, मुख्य रूप से तलवारें और भाले। ये वे शब्द हैं जो सबसे अधिक बार दिखाई देते हैं।

हम उन पर पुनर्विचार कर सकते हैं और उन्हें अपने शस्त्रागार में भी शामिल कर सकते हैं। लेकिन तलवारें काटने के औजारों में इस्तेमाल की जा रही हैं। शायद कुदाल में नहीं क्योंकि तलवारें इतनी लंबी नहीं होतीं कि वे एक प्रभावी कुदाल बन सकें, लेकिन ऐसी चीज जो काटने जा रही हो।

इस बारे में कुछ रोचक लेख लिखे गए हैं कि ये संभवतः वास्तव में क्या थे। इनमें से कोई भी शब्द, जिसका यहाँ काटने के औजार या छंटाई करने वाले चाकू के रूप में अनुवाद किया गया है, बहुत बार इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसलिए, इनका क्या अर्थ है, यह कुछ अन्य संदर्भों से अनुमान लगाने जैसा है।

लेकिन यह किसी भी अन्य की तरह ही अच्छा है। सबसे महत्वपूर्ण और उत्साहजनक बात यह है कि अब कोई भी युद्ध नहीं सीखेगा। ऐसा करने से हमारे सभी युद्ध कॉलेज और वे सभी जगहें खत्म हो जाएँगी जहाँ लोग शत्रुता करना और एक-दूसरे को मारना सीखते हैं।

अब, सच में, न्याय का दिन आ रहा है, और जोएल की पुस्तक, अध्याय 3, श्लोक 10, इसी कल्पना का उपयोग करने जा रही है, लेकिन वह इसे इधर-उधर बदलने जा रहा है। और एक समय ऐसा आएगा जब कुछ निर्णयात्मक उपकरणों का होना आवश्यक हो जाएगा। ये काटने के उपकरण कुछ समय के लिए तलवार में और चाकू भाले में बदल दिये जायेंगे।

शांति, इस विशेष बात को जारी रखते हुए, शांति ईश्वर की शिक्षाओं पर आधारित होगी, झूठे भविष्यवक्ताओं के खोखले वादों पर नहीं। तभी लोग अवज्ञाकारी थे। अब, यह पूरी तरह से अलग होने जा रहा है क्योंकि लोग भगवान की शिक्षा सीख रहे होंगे, और इसलिए, वास्तविक शांति होगी।

और फिर यह वादा है जो मीका में दिखाई देता है, जैसा कि मैंने कहा, यशायाह में नहीं, लेकिन हर कोई अपनी दाखलता और अंजीर के पेड़ के नीचे बैठेगा। 1 राजा 4, श्लोक 25 में, हमें उन परिस्थितियों का वर्णन मिलता है जब सुलैमान राजा था, जब चीजें स्थिर थीं, और जब विस्तारित साम्राज्य के भीतर शांति थी। और यही वह अभिव्यक्ति है जिसका उपयोग किया जाता है।

हर कोई अपनी अपनी बेल और अंजीर के पेड़ के नीचे बैठता है। और फिर, अंत में, इस जबरदस्त वादे के हिस्से के रूप में, कोई भी आतंक पैदा नहीं करेगा। कोई भी आतंक पैदा नहीं करेगा क्योंकि, लैव्यव्यवस्था 26 याद रखें, यह उन जगहों में से एक है जहाँ हमें वाचा की आशीषों और शापों की अभिव्यक्ति मिलती है।

और अगर वे आज्ञाकारी हैं, तो एक आशीर्वाद यह है कि वे डरेंगे नहीं। ऐसा कोई नहीं होगा जो आकर उन्हें बहुत डराए। खैर, देखते हैं कि आगे क्या होता है।

इन परिवर्तनों का आधार क्या है? क्योंकि यह सर्वशक्तिमान प्रभु ही हैं जिन्होंने बोला है। फिर से, प्रभु का वचन शक्तिशाली है। हम समय-समय पर इसे भूल जाते हैं।

सर्वशक्तिमान प्रभु ने कहा है। यह इस गारंटी पर आधारित है कि ये आयतें परमेश्वर के अपने विश्वासयोग्य वचन पर आधारित हैं। अगर हमारे पास समय होता, तो हम उन सभी जगहों पर भ्रमण कर सकते थे जो न केवल वचन की शक्ति के बारे में बात करते हैं बल्कि वचन की शुद्धता और उसके परिणामस्वरूप होने वाले सत्य के बारे में भी बात करते हैं।

बस एक अतिरिक्त नोट, हालाँकि, यह सर्वशक्तिमान प्रभु ने कहा है और हमारा शब्द या हमारा अनुवाद, सर्वशक्तिमान, इसका अक्सर यही अनुवाद किया जाता है, लेकिन यह एक हिब्रू शब्द है जिसका अर्थ है सेनाएँ, सेनाएँ। और मूल रूप से, इसका उपयोग अन्य स्थानों के अलावा, स्वर्गीय सेनाओं के लिए किया जाता है। भजन 103 के अंत में स्वर्गीय पैनोप्ली, उन प्राणियों को समर्पित कई छंद हैं जो वहाँ हैं और प्रभु की आज्ञा का पालन करते हैं।

वे उसकी आज्ञा का पालन करते हैं। वे वही करते हैं जो वह उनसे करने को कहते हैं। इसलिए, यदि स्वर्गीय मेज़बान ऐसा कर रहे हैं और हमारे पास मेज़बानों के प्रभु का वचन है, तो हमें बहुत अच्छा आश्वासन मिला है कि चीजें काम करने जा रही हैं।

चीज़ें वैसे ही होने वाली हैं जैसा वह कहते हैं। अब, इस बीच, हमें अपना काम करना है, और हम श्लोक पाँच पर एक त्वरित नज़र डालना चाहते हैं, और फिर वह हमें अगले खंड में ले जाएगा। श्लोक पाँच, जैसा कि मैंने पहले कहा, मीका के लिए अद्वितीय है।

हमारे पास यशायाह में दूसरे भाग का एक छोटा संस्करण है। हालाँकि सभी लोग अपने-अपने देवताओं के नाम पर चलते रहते हैं, हम, और मैंने इसे दो बार लिखा है क्योंकि हिब्रू इस पर जोर देता है, हम, हम हमेशा अपने भगवान के नाम पर चलते रहेंगे। ठीक है, तो वहाँ एक आश्वासन है कि, ठीक है, यह एक चेतावनी या उपदेश है, मुझे लगता है कि मुझे कहना चाहिए, क्योंकि हम सभी प्रकार के लोगों से घिरे हो सकते हैं जो वह करने में व्यस्त नहीं हैं जो उन्हें करना चाहिए।

वे वही कर रहे हैं जो वे करना चाहते हैं, लेकिन मीका घोषणा करता है कि वे प्रभु के नाम पर चलेंगे। मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि उसके मार्गों पर चलने का मतलब है खुद का आचरण करना। और प्रभु के नाम पर चलने का मतलब है कि इन अन्य लोगों के बीच जो हवा की शक्तियों और दुनिया के देवताओं के तरीकों के अनुसार फिर से कर रहे हैं, हमें विशिष्ट होना चाहिए।

चलना वह आचरण होगा जो हमें अलग करता है। और मैंने यह पहले ही सूचित कर दिया है, यह उन राष्ट्रों के विपरीत है जो अपने स्वयं के मूर्तिपूजक विश्वदृष्टिकोण के साथ रहेंगे। संभवतः, वे पहले लोगों की उस भीड़ में शामिल नहीं हुए थे जो सियोन की ओर बढ़ रही थी और घोषणा कर रही थी कि वे प्रभु से सीखना चाहते हैं।

लेकिन हम प्रभु के नाम पर चलेंगे की भी विशेषता है, या मुझे कहना चाहिए कि इसे दूर के भविष्य और उससे भी आगे तक परिभाषित किया गया है। और यही उन लोगों की विशेषता होगी जो वफादार अवशेष हैं। भले ही अंतराल में सभी प्रकार की चीज़ें हों जो कठिन और गंभीर हों, वफादार अवशेष उस प्रतिज्ञान के साथ जारी रहेंगे।

हम प्रभु के नाम पर चलेंगे। इस बिंदु पर विचार करने के लिए एक अच्छी जगह, एक उपदेश के रूप में, भजन 86:11 है, क्योंकि यह उस चीज़ को समाहित करता है जिसके बारे में हम अभी बात कर रहे हैं। भगवान के लोगों की गीत परंपरा में, हे भगवान, मुझे अपना रास्ता सिखाओ।

खैर, हम मीका में इन आयतों में यही देख रहे हैं, कि मैं तेरे सत्य पर चल सकूँ या आचरण कर सकूँ। और फिर तेरे नाम का भय मानने के लिये अपने मन को एक कर दूँ। और यह कुछ ऐसा है जिस पर हम बाद में मीका की किताब में वापस आएंगे।

खैर, यह मीका अध्याय चार के पहले भाग का समापन है। अब आइए श्लोक चार से छह तक का पाठ करें, जिसका स्वाद अलग है। क्या आपको याद है कि वह दिन उस मध्यस्थ अस्थायी चीज़ की तरह है?

हमने विशाल चित्र के बारे में बात की। अब, उस दिन, प्रभु की घोषणा है, वह कुछ करने जा रहा है। मैं लंगड़ों को इकट्ठा करूँगा।

और मैं उन लोगों को एक साथ लाऊंगा जो बाहर धकेल दिए गए हैं। उस शब्द का प्रयोग बहुत बार नहीं किया जाता. न ही यह शब्द लंगड़े के लिए है।

मैं उन पर वापस आऊंगा. मैं किसके पास यह दुष्ट लाया हूँ। ध्यान दें कि प्रभु यह कहने में संकोच नहीं करते कि उन्होंने ही ऐसा किया है।

यह अनुबंध के अनुरूप है. और मैं लंगड़ों को बचाऊंगा, और निकाले हुए लोगों को एक सामर्थी जाति बनाऊंगा। और यहोवा अब से लेकर सुदूर भविष्य तक सियोन पर्वत पर उन पर शासन करेगा।

वह अस्थायी संकेत फिर से. और फिर श्लोक आठ. और तुम, हे झुण्ड के गुम्मत, सियोन की भयानक बेटी।

इसमें सुरक्षा के बारे में कुछ है, लेकिन भगवान के व्यक्तिगत संबंध के बारे में भी। तुम्हारे पास आओगे. अब इसका अनुवाद थोड़ा मुश्किल है.

मैंने इसे यथासंभव सर्वोत्तम ढंग से सुलझा लिया है। पहिला राज्य तेरे हाथ में आएगा, और राज्य सियोन की बेटी के पास आएगा। आइए देखें कि हम इसके साथ क्या कर सकते हैं।

यह एक घायल झुंड है. वे लंगड़े हैं. लंगड़ा शब्द का अनुवाद वही शब्द है जो उत्पत्ति 32 में दिखाई देता है जब जैकब एक आदमी, एक देवदूत, भगवान के साथ कुशती कर रहा था, क्योंकि वह कहता है, मैंने भगवान का चेहरा देखा।

और आपको उस कहानी से याद होगा कि उसके कूल्हे में चोट लगती है, और वह लंगड़ाता है। जब वह लंगड़ाता है, तो यही शब्द यहाँ इस्तेमाल होता है। और यह जकर्याह में भी दिखाई देता है।

तो, हम चोटों के बारे में बात कर रहे हैं। उन्हें एक चरवाहे की ज़रूरत है। यशायाह 40 उस चरवाहे की प्रकृति के बारे में थोड़ा सा बताता है।

वह चरवाहा उन बच्चों को गोद में उठाए हुए है जो छोटे हैं। खैर, जैसा कि हमने पहले ही कहा, यह विशेष खंड समय के हिसाब से उस दिन हमारे बड़े ढांचे, बाद के दिनों के अंदर स्थित है। लंगड़े और बाहर निकाले गए दोनों तरह के चित्र हमारी भेड़ों की याद दिलाते हैं।

अध्याय दो का अंत बस इस तथ्य की ओर बदलाव था कि यरूशलेम की ओर बढ़ रहे लोग वहाँ पहुँचने वाले थे। उनके पास एक चरवाहा होगा जो उन्हें उस संदर्भ में सुरक्षा में ले जाएगा। इसलिए, उन लोगों को इकट्ठा करना और फिर से इकट्ठा करना होगा जो घायल हो गए हैं और जिन्हें बाहर निकाल दिया गया है।

जिन लोगों को बाहर धकेल दिया जाता है, वे शायद निर्वासन को संदर्भित करते हैं, जो तब इसे एक लंबी दूरी की चीज़ बना देता है। मैं एक क्षण में उस लंबी दूरी पर वापस आने वाला हूँ। और बस एक अतिरिक्त नोट: मैंने यह पहले ही कहा है, लेकिन श्लोक छह के अंत में, यह भगवान है

जो स्वीकार करता है कि यह वह है, यह एक कारक क्रिया रूप है, उसने उन्हें इस वर्तमान दुष्ट स्थिति में लाया है।

मैंने विनाशकारी शब्द का प्रयोग किया है, लेकिन हिब्रू में यह शब्द दुष्ट है। यह श्लोक छह के अंत का अनुवाद है। वाचा के अनुसार, जब वे अवज्ञाकारी होते थे और बुराई करते थे, तो प्रभु उन्हें वैसा ही जवाब देते थे।

फिर, यह एक माप-दर-माप प्रकार की चीज़ है जो यहाँ हो रही है। खैर, इन सब चीज़ों के बावजूद सिय्योन की इस बेटी के लिए आशा है। प्रभु ने बचे हुए लोगों को एक शक्तिशाली राष्ट्र में बदलने का वादा किया है, और वह उन पर शासन करेगा।

माउंट सिय्योन, जैसा कि मैंने पहले ही बता दिया है कि टावर और ओफ़ेल आदि के बारे में हमने जो बातें कही हैं, वह सुरक्षा का स्थान बनने जा रहा है। और हम अध्याय दो के अंत में इसकी सूचना पहले ही देख चुके हैं। यहाँ यह फिर से है।

वे अंतिम संदर्भ जिनका मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, उन्हें वाक्यात्मक रूप से एक साथ रखना थोड़ा कठिन है, हालाँकि यह काम करता है, और दो संदर्भ हैं, एक पूर्व प्रभुत्व और एक साम्राज्य, जो दोनों आएंगे। ऐसा प्रतीत होता है, चाहे हम इसे किसी भी तरह से एक साथ रखें, यह किसी प्रकार का डेविडिक राजवंश, जो कि पूर्व प्रभुत्व है, का संकेत है। और यह एक संयुक्त राजतंत्र था।

यह उनकी आशाओं और अपेक्षाओं में होगा। निःसंदेह, यह उस चीज़ की पृष्ठभूमि है जो हम अध्याय पाँच, श्लोक दो में देखेंगे, जिस पर पेरी शीघ्र ही चर्चा करेगी। हालाँकि, हमारे पास अभी है।

हमारे पास इन छोटे दैवज्ञों, छोटे लघुचित्रों की एक शृंखला है, जो अभी प्रस्तुत की गई है। मैं थोड़ी देर में उसकी हिब्रू भाषा के बारे में कुछ कहने जा रहा हूँ, लेकिन आइए जानें कि उनमें से प्रत्येक कैसे प्रकट होता है। प्रत्येक, भले ही यह कितना भी कठिन क्यों न हो, एक ऐसा समापन होने जा रहा है जिसमें कम से कम एक सकारात्मक पहलू होगा।

श्लोक नौ, अब, हाहाकार होने वाला है, और छटपटाहट होने वाली है। श्लोक 10, अब तुम बाहर जाओगे। ठीक है, अगर वे किसी शहर में सुरक्षित हैं, या खुद को किसी तरह के शहर में सुरक्षित मानते हैं, तो उस समय बाहर जाना कोई सकारात्मक बात नहीं है।

अब, श्लोक 11 में, एकत्रित राष्ट्रों के बीच शत्रुता होने वाली है। और वैसे, ये राष्ट्र, पद एक में आने वाले राष्ट्रों के विपरीत, अच्छे नहीं हैं, और वे अच्छे इरादे से नहीं आ रहे हैं। और फिर अब, अध्याय पाँच, श्लोक एक में, पेरी उसे उठाएगी।

अब, सैनिकों को इकट्ठा किया जाएगा। लेकिन अब, कुछ ऐसा हो रहा है जिससे निपटना थोड़ा मुश्किल होने वाला है। ये संकट के संकेत हैं और इनके लिए अलग-अलग समाधान होने वाले हैं, अलग-अलग समाधान।

जैसा कि मैंने कुछ समय पहले बताया था, हम इस बारे में थोड़ी बात करना चाहते हैं कि यह किसी अन्य परिचित ध्वनि के साथ किस तरह की ध्वनि है। हमने पहले उल्लेख किया है कि ये भविष्यवक्ता, और उनमें से मीका, शब्दों का खेल करते हैं। वे ध्वन्यात्मक समानताओं और ध्वनि संबंधों के साथ दिलचस्प चीजें करते हैं।

अब, अताह इस खंड में गूँजता है, लेकिन आप, एक सीधा संबोधन, आप, यह, वह, या दूसरी चीज़ अताह है। और यह यहाँ भी दिखाई देगा, इसके बीच में, क्योंकि अध्याय चार के बाद, श्लोक आठ आप है, और फिर नौ, 10, 11 होने जा रहे हैं, लेकिन अब, हालांकि, हम इसके अंत में पहुँचते हैं, और यह फिर से आप है, और इसका एक सकारात्मक अर्थ है। खैर, यह हमें हमारे पहले अब या लेकिन अब के साथ श्लोक नौ और 10 पर लाता है।

तुम क्यों चिल्ला रहे हो? क्या तुममें कोई राजा नहीं है? क्या तुम्हारी सलाह खत्म हो गई है कि तुममें जन्म देने वाली की तरह तड़प उठी हो? और वैसे, यह शायद व्यंग्य हो। क्या तुम्हें लगता है कि तुम्हारे पास कोई राजा है? तुम्हारा सलाहकार कौन है? मैं उस पर वापस आऊँगा। आइए श्लोक 10 पढ़ें।

छटपटाना, उस छटपटाहट और रोना आदि को जारी रखना। हे सिय्योन की बेटी, जन्म देनेवाली की नाई तड़पो और जोर से आगे बढ़ो, क्योंकि अब तुम नगर से निकलोगी। तुम मैदान में निवास करोगे।

तुम बेबीलोन आओगे। वहाँ तुम्हें पहुंचाया जाएगा। वहाँ यहोवा तुम्हें शत्रु के हाथ से छुड़ाएगा।

और आप कह रहे हैं, क्या अस्थायी कौर है। और बस एक पल के लिए रुकें। मीका, मुझे कहना चाहिए, असीरियन संकट के दौरान और उसके दौरान रहता है।

वे दुश्मन नंबर एक हैं। वह यहाँ बेबीलोन के बारे में क्या बात कर रहा है? अब, कुछ विद्वानों के दृष्टिकोण से, इसका मतलब यह है कि यह मीका के लिए बहुत बाद में जोड़ा गया है। मैं वहाँ नहीं जा रहा हूँ।

मुझे लगता है कि वह आत्मा से प्रेरित है और आगे देख रहा है कि क्या हो रहा है। और वास्तव में, यहाँ जो कुछ भी हो रहा है, उसकी यह एक संकुचित दृष्टि है, इस हद तक कि अंततः निर्वासन में जाना पड़ेगा। और वह निर्वासन अश्रू के लिए नहीं होगा, जैसा कि उत्तरी साम्राज्य में हुआ था, बल्कि बेबीलोन के लिए होगा, और उससे भी आगे मुक्ति की ओर इशारा करेगा।

वैसे, आपके पास यशायाह में बहुत बड़े रूप में, यशायाह के उन बाद के अध्यायों में, अध्याय 40 से शुरू होकर और उससे आगे भी है। खैर, आइए देखें कि हम इससे क्या कर सकते हैं। वे चिल्ला रहे हैं।

और इसके द्वारा, रोना रोना यह कहने का एक मानक तरीका है कि यह एक अति उच्च स्वर वाला रोना है। और यह आतंक और पीड़ा में से एक है। और इसके अलावा, वे छटपटा रहे हैं।

और छवि स्पष्ट है; इसका दो बार उल्लेख किया गया है, प्रसव। और यह, आम तौर पर बोलना, एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक रोना, दर्द भरी चीख शामिल होती है। तो, फिर सवाल यह है कि मीका इस आंकड़े का उपयोग यह दर्शाने के लिए क्या कर रहा है कि सिध्दोन की बेटी यरूशलेम किस दौर से गुजर रही है? और इसलिए, एक सुझाव, मैंने यहां कई सुझाव दिए हैं, शायद यह आभास होगा कि उनकी पूरी सरकार विफल हो रही है, है ना? भयानक वेदना क्योंकि मानव शासन प्रणाली पूरी तरह से विफल हो गई है।

वहीं रुकें. मैं जानता हूं कि मुझे केवल अल्पविराम मिला है, लेकिन याद रखें कि हम हमेशा क्या कहते रहे हैं। हमें एक रॉयल्टी मिली है जो नीचे की ओर बढ़ रही है, खासकर आहाज के समय के दौरान।

कई मायनों में बहुत ही भयानक। राजा, भगवान के अनुबंधित राजा के रूप में, अस्तित्व में नहीं है। वह वहां नहीं है।

सलाहकार, सलाहकार, कोई राजा नहीं, कोई परामर्शदाता नहीं, वे बस चले गए। और इसका दुष्परिणाम जनता भोग रही है और भोगती रहेगी। ऐसा कहने के बाद, यह हो सकता है कि मीका अतिरिक्त रूप से इस दुखद तथ्य की ओर भी इशारा कर रहा है कि वे परमेश्वर के शासन के प्रति समर्पण नहीं कर रहे हैं।

वह अब उनका राजा नहीं है, अपरकेस के. वे उसे राजा के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं। वे निश्चित रूप से उसके परामर्शदाता को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। वैसे, आपको यशायाह अध्याय 9, छंद 6 और 7 याद होंगे, जहां भगवान भगवान की एक उपाधि, जैसा कि इस बच्चे में प्रकट हुई है, अद्भुत परामर्शदाता, शक्तिशाली भगवान और शाश्वत पिता होने जा रही है।

तो, सभी प्रकार की चीजें हैं जो इस विशेष में अंतर्निहित हो सकती हैं। आपका कोई राजा नहीं है. आपके पास कोई परामर्शदाता नहीं है।

क्या आप परमेश्वर को राजा और सलाहकार के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं? अब, यह कहने के बाद, तड़पने, दर्द और चिल्लाने के मामले में सोचने के लिए अन्य चीजें हैं। तो मुझे यहाँ दूसरी बात पढ़ने दें। शायद यह तड़प इसलिए है क्योंकि उन्हें शहर से बाहर निकाल दिया जाने वाला है।

शहर से बाहर धकेले जाने की जो छवि इस्तेमाल की जा रही है, वह जन्म देना, बाहर धकेलना है। अब, उन्होंने शहर के बारे में सोचा होगा, भले ही वह कठिनाइयों से गुज़र रहा था और एक सदी बाद भी भयानक होगा, फिर भी वह किसी तरह का सुरक्षित आश्रय था। यह जकेल की किताब पढ़ने से आपको यह एहसास होता है कि उन्होंने शायद ऐसा ही सोचा होगा, लेकिन उन्हें बाहर धकेले जाने की ज़रूरत थी, ठीक वैसे ही जैसे जन्म देना होता है, क्योंकि यह अब सुरक्षित नहीं था।

और यह एक मुक्ति है। हो सकता है कि यह मुक्ति जैसा न लगे। हम इस पर थोड़ी देर में विचार करेंगे, लेकिन यह एक मुक्ति है।

यह निर्वासन में जाने, उस अनुभव के अंधेरे से गुजरने और फिर निर्वासन में रहते हुए मुक्ति पाने के माध्यम से है। एक अतिरिक्त तरीका जिससे हमें इसे देखने की आवश्यकता है, क्योंकि जैसा कि हमने उस श्लोक में पढ़ा है, वे शहर से बाहर जा रहे हैं, लेकिन अब आप बाहर जाएँगे। आप मूल रूप से शिविर में जा रहे हैं।

आप शहर के बाहर रहने जा रहे हैं। मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करूँगा। फिर वे बेबीलोन में होंगे, फिर उन्हें छुड़ाया जाएगा, फिर उन्हें छुड़ाया जाएगा।

और इसलिए, मैं सुझाव दे रहा हूँ कि उन तीन या चार खंडों में जो एक साथ जुड़े हुए हैं, बहुत संकुचित हैं, लेकिन यह एक लंबा लेंस है जो आगे की ओर देखता है। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, यह कहता है, आप शहर से बाहर जा रहे हैं, शहर से बाहर निकलने के लिए छटपटा रहे हैं। घरों और घरों और स्थिर आवासों में रहने के विपरीत, यह एक कठिन अनुभव होने वाला है।

यदि आप चाहें तो कैम्पिंग करें। जो उन सभी चीज़ों को खत्म कर रहा है जो आरामदायक हो सकती हैं। और उनके बेबीलोन पहुंचने में ज्यादा समय नहीं है, और इसे निर्वासन माना जाता है।

वह सज़ा मानी जाती है। लेकिन इस संक्षिप्त विवरण के अंत में भी, उन्हें वहीं से हटा दिया जाता है। वे बेबीलोन जाते हैं, लेकिन फिर कहते हैं, वहां दो बार।

वहां से आपको डिलीवर कर दिया जाएगा। इस छोटी सी चीज़ में भी, मुक्ति की कुछ गूँजें हैं जिन्हें हम उन छंदों में और अधिक विस्तारित पाते हैं जिनका मैंने यशायाह 48 और अन्यत्र उल्लेख किया है। मीका अध्याय चार के संदर्भ में हमें एक और खंड करना है।

आइए देखें कि हम इससे कैसे निपट सकते हैं। पहले इसे पढ़ो. परन्तु अब बहुत सी जातियां तुम्हारे विरुद्ध इकट्ठी हो गई हैं।

और वास्तव में यह कहना बेहतर होगा कि कई राष्ट्र आपके खिलाफ इकट्ठे हुए हैं। और मैं थोड़ी देर में समझाऊंगा कि क्यों। वे वही हैं जो कह रहे हैं, उद्धरण, उसे अपवित्र होने दो, हमारी आँखें घूरें।

और सिथ्योन पर इसका मतलब बिलकुल भी अच्छा नहीं है। उस उद्धरण का अंत। लेकिन वे प्रभु के विचारों को नहीं जानते।

वे उसकी युक्ति को नहीं समझे, कि उसने उन्हें खलिहान में गिरे हुए अनाज की तरह इकट्ठा किया है। हे सिथ्योन की बेटी, उठ और खलिहान में फ़सल काट, क्योंकि मैं तेरे सींग को लोहे का बना दूँगा। और तेरे खुर को पीतल का बना दूँगा, और तू बहुत सी जातियों को कुचल डालेगी।

और मैं उनके अन्यायी भविष्यद्वक्ता को यहोवा के लिये, और उनकी शक्ति वा धन को सारी पृथ्वी के प्रभु के लिये अर्पण कर दूंगा। अब, इससे पहले कि मैं आगे बढ़ूँ और इस बारे में थोड़ी बात करूँ, मैं चाहता हूँ कि हम थोड़ा रुकें। क्या आप समझ रहे हैं कि यह अध्याय इतना संक्षिप्त और इतना त्वरित क्यों है? यह सभी प्रकार की चीजों को संपीड़ित कर रहा है, इन विभिन्न समय-सीमाओं से निपट रहा है जिनके बारे में हम बात करने की कोशिश कर रहे हैं।

और यह चीजों के अत्यधिक कठिन होने के बारे में एक और छोटा सा उदाहरण है, लेकिन इसके दूसरी तरफ भी आशा है। तो, शत्रु राष्ट्र इकट्ठे हो गए हैं। वे इकट्ठे हैं।

और आप सोचने की कोशिश कर रहे हैं, ठीक है, यह कौन है? यह क्या है? जिस बाबुल को हमने अभी देखा, उसके संदर्भ के ठीक बाद यह कैसे फिट बैठता है? सुझाव यह है, विशेष रूप से अध्याय पाँच में जो आने वाला है, उसके आलोक में, कि अब मीका अपने ऐतिहासिक संदर्भ में लौट रहा है, यानी, असीरियन मौजूद हैं और घेराबंदी कर रहे हैं और कई शहरों पर हमला कर रहे हैं जिनसे वह बहुत परिचित है। इसलिए, भले ही हमारे पास कालानुक्रमिक रूप से वह लंबा लेंस हो, यह वापस घर के करीब लौट सकता है, जैसा कि यह था। मैंने पहले ही इसका उल्लेख किया है, लेकिन मैं इसे दोहराने जा रहा हूँ।

अध्याय की शुरुआत में कई राष्ट्र जो खुशी से झूम रहे हैं और एक दूसरे को सिय्योन तक जाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं - यह एक बहुत अलग तस्वीर है - वे शिक्षा के लिए सिय्योन की ओर प्रवाहित हुए। ये राष्ट्र अशुद्ध करने और नष्ट करने आये हैं, और वे इसे ज़ोर-ज़ोर से कह रहे हैं। वे शायद सिय्योन को तिरस्कार और लालच से देख रहे हैं।

और जो मैंने अभी कहा है, उसे थोड़ा और स्पष्ट करने के लिए, वे सिय्योन को अपवित्र करने के अपने इरादे की घोषणा कर रहे हैं। यही वे होते देखना चाहते हैं। वे इसे एक सार्वजनिक तमाशा बनाना चाहते हैं।

और इस संदर्भ में टकटकी लगाए देखना सिर्फ़ देखना नहीं है। यह गर्व, अहंकार और लालच के भाव से देखना है क्योंकि वे इस शहर के विनाश और इससे उन्हें क्या मिलने वाला है, इसका अनुमान लगा रहे हैं। हमारे पास विलापगीत में दिखाई देने वाली समान भावनाओं को पढ़ने का समय नहीं है, लेकिन ओबद्याह पद 12 और उसके बाद, उसी बात की निंदा करता है।

और भले ही ओबद्याह एदोम की निंदा करता है और शुरू में कहता है, तुम खड़े हो, लेकिन कुछ ही समय में एदोमियों ने बहुत ज़्यादा भाग लेना शुरू कर दिया, सिर्फ़ देखने में ही नहीं, बल्कि लेने में भी। खैर, तो ये शत्रुतापूर्ण राष्ट्र इकट्ठे हो गए हैं। आइए उस जमावड़े के बारे में थोड़ी बात करें।

यह कहता है कि वे तुम्हारे विरुद्ध इकट्ठे हुए हैं। और यह दिलचस्प है कि क्रिया यहाँ निष्क्रिय है। इसीलिए मैंने उस अनुवाद पर स्वयं को सुधारा क्योंकि वे एकत्रित नहीं हुए हैं; मेरा मतलब है, उनके पास है, लेकिन किसी ने, और मैं सुझाव दूंगा कि स्वयं भगवान ने उन्हें इकट्ठा किया है।

भविष्यवाणी सामग्री में अक्सर, जब कोई निष्क्रिय क्रिया होती है, तो हमें रुकना चाहिए और कहना चाहिए, आह, यह सूचित कर रहा है कि ब्रह्मांड का स्वामी पर्दे के पीछे काम कर रहा है,

और वह ऐसा कर रहा है। निष्क्रियता उस दिशा में इंगित करेगी। इसलिए, राष्ट्र सोचते हैं कि उन्होंने इसकी योजना बनाई है।

भगवान ने उन्हें वहां इकट्ठा किया है और उसके पास इसके लिए उद्देश्य हैं। इसमें अध्याय दो के साथ समानताएं हैं। आपको याद होगा कि अध्याय दो में लोग मतलबी, बुरे, अपने बिस्तर पर योजनाएँ बना रहे हैं, जबकि भगवान इस परिवार के खिलाफ योजनाएँ बना रहे हैं।

तो, प्रभु द्वारा उनकी योजनाओं को पलट देने के संदर्भ में फिर से वही संतुलन है। और यह निष्कर्ष निकालता है, या वास्तव में आगे बढ़ता है, कि वे प्रभु की योजनाओं को नहीं जानते हैं। उसने वास्तव में उन्हें इकट्ठा किया है, और उसने उन्हें खलिहान में इकट्ठा किया है।

और अगर हम खलिहान के व्यापक अर्थों के बारे में जो कुछ जानते हैं, उसके बारे में ध्यान से सोचें, तो बहुत जल्द ही हम इस नाम, अरौना के खलिहान से संबंध जोड़ लेंगे। क्योंकि, बेशक, यही वह जगह है जहाँ मंदिर का निर्माण किया गया था। मैंने आज अपने व्याख्यान में पहले ही इसका उल्लेख किया था।

2 शमूएल 24 में उस चयन और वहाँ क्या हुआ, के संदर्भ में हमें पूरी घटना पता है। लेकिन अब मुद्दा यह है कि वे इकट्ठा हो रहे हैं, वे उस मंदिर में कुछ करने और उसे अपवित्र करने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं, लेकिन प्रभु ने उन्हें उस खलिहान में इकट्ठा किया है। यह हमें एक पल के लिए रुकने पर मजबूर करता है, इससे पहले कि हम आगे बढ़ें कि वहाँ क्या हुआ और सिय्योन की बेटी कैसे बदल गई।

खैर, वह बहुत शक्तिशाली और ताकतवर बन जाती है। लेकिन ऐसा करने से पहले, मेरे पास देखने के लिए कुछ है। इसे स्क्रीन पर दिखाना शायद उचित नहीं है क्योंकि जब मैं इसे अपने छात्रों को दिखाता था, तो वे इसे देखते थे, और जब मैं पूछता था, यह क्या है? वे कहते थे, पनीर ग्रेटर? और इसलिए, नहीं, यह उससे थोड़ा बड़ा है।

तो, इसे कम से कम चार, साढ़े चार, पाँच फ़ीट ऊँचा समझिए। और देखते हैं कि यह कैसे काम करता है। खैर, यह एक थ्रेसिंग स्लेज है।

मैं जानता हूँ कि स्लेज आम बोलचाल का शब्द नहीं है। लेकिन एक बार जब हम समझा देते हैं कि इसमें क्या शामिल है और यह कैसे काम करता है, तो यह वास्तव में इसके लिए सबसे अच्छा शब्द है। कृषि के संदर्भ में, आपके पास यह चीज़ होगी, लेकिन यह बस ऐसे ही नहीं खड़ी थी।

इसके बजाय, आपके अनाज के ढेर को खलिहान पर फैलाया जाएगा, आमतौर पर ग्रामीण इलाकों में एक ऊंची ऊँचाई पर जहाँ हवा उस पर प्रहार करने में सक्षम होगी। और इसलिए एक बार जब अनाज की कटाई हो जाती थी, और भूसी उड़ जाती थी, या क्षमा करें, वह उड़ जाती थी, तो हवा उसे उड़ा देती थी। तो, आपके पास खलिहान में फैला हुआ अनाज है।

यदि आप चाहें तो आप इस उपकरण को उस अनाज के ऊपर रख दें। आपने इसके ऊपर महत्वपूर्ण भार डाल दिया है। आपके पास अनाज के पार खींचने के लिए एक जानवर है।

और, निस्संदेह, यह उन भूसी को तोड़ देता है। और फिर हमारे पास विनोइंग भी है। अब, मैं यह क्यों दिखा रहा हूँ? क्योंकि सिथ्योन की बेटी दाँवने पर है।

वह अन्य काम भी करने जा रही है, लेकिन वह थ्रेसिंग करने जा रही है। मैं पवित्रशास्त्र का एक और अंश लाना चाहता हूँ। यह लाक्षणिक है।

जाहिर है, पवित्रशास्त्र में ऐसे स्थान हैं जहाँ इसका उपयोग संभवतः दंड या क्रूरता को दर्शाने के लिए किया गया है। आमोस अध्याय 1 में राष्ट्रों की निंदा में लोगों का एक समूह, अम्मोनियों का समूह शामिल है, जो गिलाद के साथ ऐसा करते हैं। नहीं, यह सही नहीं है।

ये अराम के लोग हैं। वैसे भी, आप इस पर मेरी जांच कर सकते हैं। वे लोगों पर थ्रेसिंग फ्लेज चलाते हैं।

लेकिन मैं आपके लिए विशेष रूप से दूसरा संदर्भ खोलना चाहता हूँ जो मेरे पास है, जो कि यशायाह अध्याय 41 है। और मैं इसे NIV से ले रहा हूँ क्योंकि यह उस बात को थोड़ा स्पष्ट करता है जो मैं अभी कह रहा था कि यह चीज़ किस चीज़ से बनी है और यह कैसे काम करती है। फिर से, यह एक अलंकार है क्योंकि यह प्रभु द्वारा अपने लोगों से बात करना है।

मैं तुम्हें एक नया और धारदार खलिहान बनाऊंगा, जिसके कई दाँत होंगे। कभी-कभी वे पत्थर के टुकड़े होते थे, लेकिन कभी-कभी लोहे के। तुम पहाड़ों को खलिहान बनाओगे और उन्हें कुचल दोगे और पहाड़ियों को भूसा बना दोगे।

यहाँ जो कुछ हो रहा है उसकी व्यापक प्रकृति पर ध्यान दें। आप उन्हें फटकेंगे। हवा उन्हें ऊपर ले जाएगी।

एक तूफ़ान उन्हें उड़ा ले जाएगा। और फिर श्लोक 16बी इस बारे में बात करता है कि लोग प्रभु में कैसे आनन्दित होंगे।

खैर, आइए हम इसे परमेश्वर की प्रतिक्रियाओं के साथ समाप्त करें। उसने उन्हें अब इकट्ठा किया है। वे वहाँ इकट्ठे हुए हैं। उसने अपने लोगों के लिए कुछ करने की कुछ तैयारियाँ की हैं।

और यह यहाँ है। सिथ्योन की बेटी क्या करने जा रही है, इसके संदर्भ में तीन छवियाँ हैं। और वे संकुचित हैं, जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है।

सबसे पहले, थ्रेसिंग होगी। मैंने अभी इसका वर्णन किया है। फिर सींगों से गोर किया जाएगा।

और फिर खुरों से रौंदने वाले हैं। उन तीनों को एक साथ कुचल दिया जाता है। इसे इस तरह से रखा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मीका के श्रोता ईश्वर की शक्ति को उन तरीकों से सुनें जिनके लिए उसने अपने लोगों को तैयार किया है।

जहाँ तक उनके सींगों से चोट पहुँचाने की बात है, तो जाहिर है, वे ऐसे जानवरों पर हैं जिनके सींग चोट पहुँचाने के लिए होते हैं, जो काफी खतरनाक प्रकार की चीज़ें हैं। लेकिन प्रतीकात्मक रूप से, वे 1 किंग्स 22 में भी दिखाई देते हैं, एक बहुत ही दिलचस्प मार्ग जहाँ मुझे लगता है कि पेरी ने दूसरे दिन इसका उल्लेख किया था। आपके पास अहाब और यहोशापात यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या वे सीरिया के खिलाफ सुदूर गिलियड में युद्ध करने जा रहे हैं।

और कोई उनकी उपस्थिति में सींगों का एक सेट पहनकर आता है और कहता है, इन सींगों के साथ, आप इस तरह की सभी क्षति करेंगे। जाहिर है, यह उस तरह से नहीं निकला। मैंने आपके लिए व्यवस्थाविवरण 33, पद 17 भी नोट किया है, जो यूसुफ के गोत्र के आशीर्वाद के बीच में कहता है कि उसके पास शक्तिशाली कार्यों को पूरा करने के लिए सींग होंगे जिन्हें करने की आवश्यकता है।

तो, सिय्योन की बेटी दाँव देगी, जैसा कि हम पहले ही वर्णन कर चुके हैं। राष्ट्र तोड़े जायेंगे और रौंदे जायेंगे। वे लोहे के सींगों से तोड़ डाले जाएंगे, और पीतल के खुरोंसे रौंद दिए जाएंगे।

और फिर मैं यहाँ आपके लिए विडंबना नोट करता हूँ। वे सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं, और उन्हें कोई अंदाज़ा नहीं है कि वे अपने विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। कोई अनुमान नहीं।

यह खंड भगवान के यह कहने के साथ समाप्त होता है कि उन्होंने जो भी धन इकट्ठा किया है वह हिंसा के माध्यम से प्राप्त किया गया है; यह अन्याय से प्राप्त किया गया है। इसे न केवल त्याग दिया जाएगा, बल्कि यह विनाश के लिए सारी पृथ्वी के प्रभु को समर्पित कर दिया जाएगा। वहाँ एक शब्द है, हराम।

यह वास्तव में उस शब्द का मौखिक रूप है, जो व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में और फिर जोशुआ में बहुत कुछ दिखाता है क्योंकि लोग उस भूमि को जीतने के लिए जा रहे हैं जो भगवान उन्हें दे रहे हैं। इसके संज्ञा और क्रिया दोनों रूपों का मुद्दा यह है कि ये चीज़ें भगवान को समर्पित होंगी, सारी पृथ्वी के भगवान को समर्पित होंगी, और वे विनाश के लिए समर्पित होंगी। आप देखिये, ये लोग परमेश्वर के पवित्र स्थान को अपवित्र करने आये थे।

और इसलिए, वे सभी चीज़ें जो घृणित हैं, उन्हें उस स्थान में लाया जाएगा, और यहीं वे नष्ट हो जाएंगी। जैसे ही हम अध्याय चार को बंद कर रहे हैं, इस बिंदु पर बस कुछ विचार। मैंने पहले भजन 86 11 का उल्लेख किया था, और जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, मैं इसे फिर से देखने जा रहा हूँ क्योंकि यह उन चीज़ों का प्रतीक है जो अध्याय चार के पहले भाग के संदर्भ में सकारात्मक हैं।

मुझे अपने मार्ग सिखा कि मैं तेरे सत्य पर चल सकूँ। यदि आपने अभी तक ऐसा नहीं किया है तो यह याद रखने लायक एक अनुच्छेद है। मुझे अपने मार्ग सिखा कि मैं तेरे सत्य पर चल सकूँ।

तेरे नाम का भय मानने के लिये मेरे हृदय को एक कर दे। अब इसे और अपने पहले के चिंतन को ध्यान में रखते हुए, भगवान के तरीकों को सीखना परिवर्तनकारी होगा क्योंकि यह बदल देगा कि हम कौन हैं और हम कैसे कार्य करते हैं। याद रखें, चलने का संबंध आचरण से है।

इसलिए, आइए हम ईश्वर के बारे में जानने के लिए सिध्दों की ओर जाने वाले लोगों की उस विशाल धारा में शामिल हों और फिर ईश्वर की सच्चाई में चलने के लिए निकल पड़ें ताकि हम टोरा को अपना सकें और वैसे ही जीवन जी सकें जैसा हमें जीना चाहिए। और फिर एक व्यापक अध्याय चार समापन में, भले ही उनमें से कुछ लेकिन अब खंड कठिन हैं, हम हमेशा आशा में जीते हैं क्योंकि हम अंतिम दिनों में हैं और एक अंतिम बिंदु आ रहा है जो एक सकारात्मक अंत बिंदु है। और इसके साथ, हम अध्याय चार को रोक देंगे।

यह डॉ. एलेन फिलिप्स हैं जो मीका की पुस्तक, बेल्टवे के बाहर पैगंबर पर अपनी शिक्षा दे रही हैं। यह सत्र 5, मीका 4 है।